एचडीएफसी बैंक का शेयर टूटा

अप्रैल-जून तिमाही के एचडीएफसी बैंक के कमजोर आंकड़ों का शेयर कीमत पर पड़ा असर

सुब्रत पांडा
मुंबई, 5 जुलाई

एचडीएफसी बैंक का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 4.55 फीसदी फिसलकर 1,648.10 रुपये पर बंद हुआ। इसकी वजह जून तिमाही (2024-25) में क्रमिक आधार पर बैंक की उधारी व जमाओं में गिरावट आना रहा। यह गिरावट बैंक के शेयरों में हाल में आई तेजी के बाद दिखी है। तेजी का कारण यह उम्मीद थी कि एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में बैंक का भार बढ़ेगा।

बैंक ने 4 जुलाई को एक्सचेंजों को भेजी सूचना में बताया है कि बैंक की उधारी तिमाही आधार पर 0.8 फीसदी घटकर जून तिमाही में 24.87 लाख करोड़ रुपये रह गई जबकि जमाएं भी 0.03 फीसदी की नरमी के साथ 23.79 लाख करोड़ रुपये रहीं।

हालांकि सालाना आधार पर बैंक की उधारी 14.9 फीसदी बढ़ी जिसमें एचडीएफसी के साथ एचडीएफसी बैंक के विलय का असर शामिल नहीं है जो 1 जुलाई, 2023 से प्रभावी हुआ है। कर्ज वृद्धि में नरमी मुख्य रूप से होलसेल सेगमेंट में आई कमी के कारण आई है। साथ ही खुदरा सेगमेंट में भी सुस्त वृद्धि रही।

ब्रोकिंग फर्म सीएलएसए ने एक नोट में कहा कि एचडीएफसी बैंक ने एचडीएफसी की देनदारी चुकाने पर ध्यान केंद्रित कर रखा है। लिहाजा कर्ज वृद्धि पीछे रह गई है। इस अवधि में जमाओं में 16.5 फीसदी का इजाफा हुआ जिसमें विलय का असर शामिल नहीं है। साथ ही चालू और बचत खातों का अनुपात (कासा) कुल जमाओं की तुलना में वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में घटकर 36.3 फीसदी रहा जो वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 38.2 फीसदी था।

एचडीएफसी बैंक के लिए पहली तिमाही में कर्ज और जमाओं में वृद्धि सामान्य तौर पर नरम रहती है लेकिन घोषित आंकड़े सामान्य से थोड़े कम हैं। नोमूरा ने एक रिपोर्ट में बताया कि ऋण-जमा का अनुपात भी 105 फीसदी पर स्थिर रहा। इस बीच, पहली बार बैंक ने जमाओं के औसत शेष में वृद्धि और प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों का खुलासा किया है। नोमूरा के अनुसार औसत जमाएं क्रमिक आधार पर 4.6 फीसदी बढ़ीं जबकि औसत एयूएम में क्रमिक आधार पर 0.8 फीसदी का इजाफा हुआ।

मैक्वेरी कैपिटल के प्रबंध निदेशक सुरेश गणपति ने कहा कि यह तिमाही सामान्य तौर पर जमाओं में वृद्धि के लिहाज से पूरे बैंकिंग तंत्र के लिए कमजोर रही है। तिमाही लिहाज से औसत 4.6 फीसदी बढ़ा है लेकिन दुर्भाग्य से डिस्क्लोजर चुनिंदा रही है। फिर भी एचडीएफसी बैंक औसत परिसंपत्तियों के आधार पर रोजाना मार्जिन की गणना करता है। ऐसे में जमाओं का यह आंकड़ा उसमें बदलाव नहीं लाएगा। अब ध्यान शुद्ध ब्याज मार्जिन में सुधार लाने पर है।

इस हफ्ते बैंक ने खुलासा किया था कि जून 2024 में विदेशी शेयरधारिता मार्च 2024 के 55.54 फीसदी से घटकर 54.83 फीसदी रह गई। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी शेयरधारिता 55 फीसदी से नीचे चली गई है, जो वैश्विक सूचकांक प्रदाता एमएससीआई की तरफ से तय सीमा है। लिहाजा, एचडीएफसी बैंक का वेटेज दोगुना हो जाएगा जिससे इसमें निवेश आएगा। इस खुलासे के बाद बैंक के शेयर की कीमतें सर्वोच्च स्तर को छू गई थी, लेकिन तब से इसने कुछ बढ़त गंवा दी है।

शेयर पर चोट

- बैंक का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 4.55 फीसदी फिसलकर 1,648.10 रुपये पर बंद हुआ
- बैंक की उधारी तिमाही आधार पर 0.8 फीसदी घटकर जून तिमाही में 24.87 लाख करोड़ रुपये रह गई जबकि जमाएं भी 0.03 फीसदी की नरमी के साथ 23.79 लाख करोड़ रुपये रहीं
- जून 2024 में विदेशी शेयरधारिता मार्च 2024 के 55.54 फीसदी से घटकर 54.83 फीसदी रह गई

लगातार 5वें सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 5 जुलाई

भारी-भरकम वेटेज वाले एचडीएफसी बैंक में तेज नुकसान ने बेंचमार्क सूचकांकों को शुक्रवार को नीचे खींच लिया, इसके बावजूद सूचकांकों ने हफ्ते की समाप्ति 1 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ की। सेंसेक्स और निफ्टी के लिए यह लगातार पांचवीं साप्ताहिक बढ़त रही जो इस साल साप्ताहिक बढ़त का सबसे लंबा सिलसिला है। इससे पहले सूचकांकों ने नवंबर और दिसंबर 2023 के बीच लगातार सात हफ्ते तक बढ़त दर्ज की थी।

शुक्रवार को सेंसेक्स 53 अंकों की नरमी के साथ 79,997 पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक के शेयर में 4.6 फीसदी की गिरावट के बावजूद ऐसा हुआ जिसने सूचकांक को 517 अंक नीचे खींचा। एचडीएफसी बैंक में गिरावट का कारण जून तिमाही में बैंक के ऋणों में क्रमिक आधार पर कमी आना है। एचडीएफसी बैंक के शेयर में हुए नुकसान की भरपाई रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई की बढ़त से हो गई जिनमें क्रमशः 2.3 फीसदी और 2.5 फीसदी का इजाफा हुआ।

व्यापक बाजारों में बढ़त जारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.83 फीसदी और 0.8 फीसदी का इजाफा हुआ। साप्ताहिक आधार पर मिडकैप और स्मॉलकैप पर केंद्रित सूचकांकों में क्रमशः 2.4 फीसदी व 3.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण कारोबारी सत्र के दौरान 450 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया था लेकिन अंत में 449.9 लाख करोड़ रुपये (5.4 ट्रिलियन डॉलर) पर टिका।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 1,241 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे जबकि देसी संस्थानों ने 1,651 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

हफ्ते के दौरान ज्यादातर वैश्विक बाजारों का प्रदर्शन ठीक रहा क्योंकि अमेरिका में महंगाई के नरम आंकड़ों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सितंबर बैठक में दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ा दी है। आईटी व फार्मा इस हफ्ते सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले शेयर रहे और उनके सूचकांकों में क्रमशः 4.5 फीसदी और 3.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

जियोजित फाइनैंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आईटी और फार्मा जैसे लार्जकैप पर सुरक्षात्मक दांव बढ़े। इसकी वजह अमेरिका में महंगाई का घटता दबाव, आय परिदृश्य में सुधार और अमेरिकी 10 वर्षीय बॉन्ड यील्ड में तेज गिरावट आना रही। सरकारी खर्च में तेजी और कंपनियों की बेहतर आय की संभावना अब महंगे भावों को सहारा दे रही हैं। भारतीय बाजार में विदेशी फंडों की वापसी और सितंबर में दर कटौती की उम्मीद बाजार के मनोबल को मजबूत कर रही है।

चुनाव नतीजों के दिन लगे झटके के बाद सुधार

बेंचमार्क निफ्टी में पिछले एक महीने में 11 फीसदी की उछाल दर्ज हुई। कारण कि निवेशकों ने चुनाव नतीजों के दिन मिली निराशा से आगे देखा और उम्मीद लगाई कि नई गठबंधन सरकार आर्थिक वृद्धि आगे ले जाने के लिए नीतियां बनाने में सक्षम बनी रहेगी। 70,234 के निचले स्तर तक टूटने के बाद सेंसेक्स ने पिछले एक महीने में करीब 10,000 अंक जोड़े। खुद के दम पर 272 के बहुमत के आंकड़ों से भारतीय जनता पार्टी के दूर रहने के बाद 4 जून से निफ्टी 50 इंडेक्स में 11.2 फीसदी का इजाफा हुआ है।

इस बीच, व्यापक बाजार के निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 16 फीसदी व 21 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मारुति सुजूकी इंडिया को छोड़कर निफ्टी-50 के सभी शेयरों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। श्रीराम फाइनैंस (27 फीसदी चढ़ा), विप्रो (22 फीसदी) और ओएनजीसी (22 फीसदी) सबसे ज्यादा चढ़े। निफ्टी 500 में सबसे अधिक बढ़त वालों की सूची में सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) का दबदबा रहा। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर 4 जून के बाद इस उम्मीद में दोगुने से ज्यादा हो गए कि सरकार रक्षा पर खर्च बढ़ाएगी और घरेलू उत्पादन में वृद्धि करेगी। नुकसान वाले शेयरों में आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया, बीएसई और मेडप्लस हेल्थ सर्विसेज शामिल हैं।

समीर मुलगांवकर

चुनाव नतीजों के बाद का एक महीना, इक्विटी में तेजी जारी

	4 जून, 2024	5 जुलाई 2024	बदलाव (%)
निफ्टी-50	21,884.50	24,323.85	11.15
चढ़ने वाले	**4 जून, 2024**	**5 जुलाई 2024**	**बदलाव (%)**
श्रीराम फाइनैंस	2,260.70	2,865.85	26.77
विप्रो	438.15	535.10	22.13
ओएनजीसी	236.30	288.20	21.96
ग्रासिम इंडस्ट्रीज	2,256.40	2,748.00	21.79
अदाणी पोर्ट्स ऐंड एसईजेड	1,248.95	1,500.45	20.14
गंवाने वाले			
मारुति सुजूकी इंडिया	12,176.05	12,104.05	-0.59

निफ्टी-500 के शेयरों में ज्यादा तेजी

	4 जून, 2024	5 जुलाई 2024	बदलाव (%)
निफ्टी-500	20,323.85	22,987.65	13.11
चढ़ने वाले	**4 जून, 2024**	**5 जुलाई 2024**	**बदलाव (%)**
गार्डन रीच शिपबिल्डर्स	1,275.65	2,710.65	112.49
मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स	2,679.50	5,685.80	112.20
फर्टिलाइजर ऐंड केमिकल त्रावणकोर	638.25	1017.25	59.38
जेके पेपर	366.05	576.15	57.40
कोचीन शिपयार्ड	1,811.70	2,837.60	56.63
गंवाने वाले			
आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया	680.15	627.20	-7.79
बीएसई	2,557.00	2,405.35	-5.93
मेडप्लस हेल्थ	703.65	669.30	-4.88
जेडएफ कमर्शल	16,398.15	15,728.35	-4.08
यूनियन बैंक	139.00	135.73	-2.35

स्रोत : ब्लूमबर्ग, एक्सचेंज — संकलन : बीएस रिसर्च ब्यूरो

एमक्योर, बंसल वायर के शेयरों पर बड़ा दांव

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 5 जुलाई

निवेशकों ने जेनेरिक दवा कंपनी एमक्योर फार्मास्युटिकल्स और मेटल वायर विनिर्माता बंसल वायर्स के शेयरों पर बड़ी संख्या में दांव लगाया और दोनों की कुल बोलियां 1.25 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गईं। उद्योग के प्रतिभागियों के अनुसार दोनों आईपीओ की मांग निवेशकों के सकारात्मक मनोबल को दिखाती है और आने वाले आईपीओ के लिए यह वरदान हो सकती है। एमक्योर के आईपीओ को करीब 68 गुना आवेदन मिले और कुल बोलियां 93,700 करोड़ रुपये के पार निकल गईं। संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 196 गुना आवेदन मिले जबकि अनीर निवेशकों की श्रेणी में 48 गुना और खुदरा श्रेणी में 7.2 गुना बोलियां मिलीं।

बंसल वायर्स के आईपीओ के तहत पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हो रहे हैं और कंपनी को करीब 60 गुना बोलियां मिलीं। कंपनी इससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल अपना और सहयोगी कंपनी का कर्ज चुकाने में करेगी।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSE ONLY. THIS IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE FOR UNITS OR SECURITIES, NOT FOR RESALE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY, INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

PUBLIC ANNOUNCEMENT

BMW VENTURES LIMITED

BMW VENTURES LIMITED

Our Company was originally incorporated as "BMW Ventures Limited" at Patna, Bihar on October 07, 1994, as a Public Limited Company under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Bihar, Patna, bearing Corporate Identification Number U25111BR1994PLC006131 and Certificate of Commencement of Business was issued on October 19, 1994 at Patna.

Registered and Corporate Office: 1st Floor, Mona Cinema Complex, East Gandhi Maidan, Patna-800004; Tel. No: +91 81022 23771/74;
E-mail: cs@bmwventures.com; Website: www.bmwventures.com; Contact Person: Ruchika Maheshwari Kejriwal, Company Secretary and Compliance Officer
Corporate Identity Number: U25111BR1994PLC006131

NOTICE TO THE INVESTOR: ADDENDUM TO THE DRAFT RED HERRING PROSPECTUS (''THE ADDENDUM")

PROMOTERS OF THE COMPANY: BIJAY KUMAR KISHOREPURIA, SABITA DEVI KISHOREPURIA, NITIN KISHOREPURIA, RACHNA KISHOREPURIA, BMW FIN-INVEST PRIVATE LIMITED AND RIDHISIDHI FINCON PRIVATE LIMITED

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 2,34,18,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [•] LAKHS (THE "ISSUE"). THE ISSUE WOULD CONSTITUTE 27.00% OF THE POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

Potential Bidders may note that at the time of filling of the Draft Red Herring Prospectus, our Company had identified Bijay Kumar Kishorepuria, Sabita Devi Kishorepuria, Nitin Kishorepuria & Rachna Kishorepuria as the promoters of our Company. Our Company, in consultation with the relevant stakeholders and pursuant to the resolution passed by our Board on July 05, 2024, has decided to also identify BMW Fin-Invest Private Limited and Ridhisidhi Fincon Private Limited as the promoters of our Company, with effect from July 05, 2024 Accordingly, all references to the term "Promoter" or "Promoters" in the Draft Red Herring Prospectus, will also include BMW Fin-Invest Private Limited and Ridhisidhi Fincon Private Limited. and accordingly, the Draft Red Herring Prospectus including the cover page and sections titled "Definitions and Abbreviations", "Summary of the Offer Document", "Risk Factors", "Capital Structure", "Our Promoters and Promoter Group", and "Outstanding Litigation and Other Material Developments" on pages 1,21,32,95, 216, and 277 of the Draft Red Herring Prospectus have been suitably updated. All references to the term "Promoter" in the Draft Red Herring Prospectus, will include BMW Fin-Invest Private Limited and Ridhisidhi Fincon Private Limited. All the necessary updates to the Draft Red Herring Prospectus in this regard will be carried out in the Red Herring Prospectus and the Prospectus, as and when they are filed with the RoC, SEBI and the Stock Exchanges.

Potential Bidders may note that in order to assist the Bidders to get a complete understanding of the updated information, the updated relevant portions of the cover page and sections titled "Definitions and Abbreviations", "Summary of Offer Document", "Risk Factors", "General Information", "Capital Structure", "Our Promoters and Promoter Group", and "Outstanding Litigation and Other Material Developments" have been included in the Addendum. The above mentioned changes are to be read in conjunction with the Draft Red Herring Prospectus and accordingly their references in the Draft Red Herring Prospectus stand updated pursuant to the Addendum. The information in the Addendum supplements the Draft Red Herring Prospectus and updates the information in the Draft Red Herring Prospectus, as applicable. However, the Addendum does not reflect all the changes that have occurred between the date of filing of the Draft Red Herring Prospectus and the date hereof, and accordingly does not include all the changes and/or updates that will be included in the Red Herring Prospectus and the Prospectus. Please note that all other details information included in the Draft Red Herring Prospectus will be suitably updated, including to the extent stated in the Addendum, as may be applicable, in the Red Herring Prospectus and the Prospectus, as and when filed with the RoC, SEBI and the Stock Exchanges. Investors should not rely on the Draft Red Herring Prospectus or the Addendum for any investment decision, and should read the Red Herring Prospectus, as and when it is filed with the RoC, SEBI and the Stock Exchanges before making an investment decision with respect to the Issue.

The Equity Shares offered in the Issue have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "U.S. Securities Act") or the law of any state of the United States, and may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act (as defined in Regulation S under the U.S. Securities Act ("Regulation S")) and applicable state securities laws in the United States. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold outside the United States in "offshore transactions" as defined and in reliance on Regulation S and the applicable laws of the jurisdictions where such offers and sales are made. There will be no public offering of the Equity Shares in the United States. The addendum which has been filed with SEBI and the Stock Exchanges shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing with SEBI and will be available on their website www.sebi.gov.in, the websites of the Stock Exchanges i.e., www.nseindia.com, www.bseindia.com, the website of the Company i.e. www.bmwventures.com, and the website of the BRLM, i.e., Sarthi Capital Advisors Private Limited at www.sarthi.in. All capitalized terms used in the Addendum shall, unless the context otherwise requires, have the meaning ascribed to them in the Draft Red Herring Prospectus

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE
SARTHI **Sarthi Capital Advisors Private Limited** **CIN:** U65190DL2012PTC238100 401, 4thFloor, Manek Plaza, 167, Vidyanagari Marg, Kalina, Santacruz (E), Mumbai – 400 098 **Tel No.:** +91 22 2652 8671/ 72 **Email Id:** compliance@sarthiwm.in **Website:** www.sarthi.in **Contact Person:** Taher Engineer **SEBI Registration No.:** INM000012011	CAMEO **Cameo Corporate Services Limited** CIN: U67120TN1998PLC041613 Subramanian Building, 1, Club House Road, Chennai-600002 **Tel No.:** +91 44 4002 0700 E-Mail Id: bmw@cameoindia.com **Investor Grievance E-Mail Id:** investor@cameoindia.com **Website:** www.cameoindia.com **Contact Person:** K. Sreepriya **SEBI Registration No.:** INR000003753

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the DRHP.

For **BMW Ventures Limited**
On behalf of Board of Directors
Sd/-
Ruchika Maheshwari Kejriwal
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Patna
Date: July 05, 2024

BMW Ventures Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated June 28, 2024 with SEBI. The DRHP shall be available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com, BSE at www.bseindia.com and the website of the BRLM at www.sarthi.in and our Company at www.bmwventures.com. Any potential investor should note that the investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to risk, please see the section titled "Risk Factors" of the RHP, when filed. Potential investors should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decisions. Specific attention of the Investors is invited to "Risk Factors" beginning on page 32 of the DRHP.

The Equity Shares offered have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act, 1933, as amended ("**U.S. Securities Act**") or any other applicable laws in the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity shares are being offered and sold outside the United States in offshore transactions as defined in and in reliance on regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where those offers and sales are made. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be issued or sold, and Bids may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.

Sunjeet Comm.

सवाल जवाब

घरेलू निवेश रहेगा बरकरार पर ज्यादा तेजी नहीं

सेंसेक्स 80,000 अंकों के आसपास कारोबार कर रहा है। आईसीआई-सीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के प्रमुख (इक्विटी फंड) गौतम सिन्हा रॉय ने ईमेल साक्षात्कार में पुनीत वाधवा को बताया कि भविष्य में आय वितरण शेयर रिटर्न के लिए मुख्य वाहक होगा और मूल्यांकन में कुछ नरमी संभव है। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंशः

क्या आप 4 जून के निचले स्तर से बाजार में आई तेजी को तर्कहीन उत्साह कहना चाहेंगे?

इक्विटी बाजार में अल्पावधि उतार-चढ़ाव अक्सर नकदी प्रवाह और धारणा में बदलाव पर केंद्रित होते हैं। चुनाव खत्म होने के बाद, घरेलू प्रवाह और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी से बाजार में नई जान आ गई है। साथ ही, बाजार धारणा अगले पांच वर्षों के लिए नीतिगत निरंतरता को स्वीकार करती दिख रही है, जो निवेश आधारित जीडीपी वृद्धि का समर्थन करती है। बाजार का ध्यान धीरे धीरे आय और मूल्यांकन पर केंद्रित होगा। बाजार आय अगले दो वित्त वर्षों के दौरान 'अर्ली टींस' यानी करीब 18 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो पिछले तीन वर्षों में सालाना 20 प्रतिशत रही। इसलिए, हमें भविष्य में बाजार रिटर्न कुछ हद तक प्रभावित होने का अनुमान है।

बजट से आपकी/बाजार की क्या उम्मीदें हैं?

जुलाई में आने वाला बजट अगले पांच साल की नीति की दिशा तय करेगा। सरकार से उम्मीद है कि वह बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी खर्च के बीच संतुलन बनाए रखेगी। हमें उम्मीद है कि कराधान ढांचा अनुकूल रहेगा और कोई बड़ा व्यवधान पैदा नहीं करेगा। जहां पिछले तीन वर्षों में रियल एस्टेट बाजार में सुधार आ है, वहीं किफायती आवास क्षेत्र (कम आय वर्ग के लिए बेहद महत्वपूर्ण) पर दबाव दिखा है और इसे कुछ नीतिगत समर्थन की आवश्यकता हो सकती है।

मिडकैप और स्मॉलकैप पर आपका क्या नजरिया है?

पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2021-2024) में मिडकैप की आय करीब 25 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ी। इस अवधि के दौरान, मिडकैप सूचकांक ने कुछ हद तक बेहतर रिटर्न दिया और अब इसकी एक साल की अग्रिम आय का 30 गुना पुनर्मूल्यांकन किया गया है, जो कि दीर्घावधि औसत की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक है। स्मॉलकैप सूचकांक भी इसी तरह के ट्रेंड पर अमल कर रहा है। भले ही अनुकूल घरेलू निवेशक धारणा काफी हद तक बरकरार है, लेकिन ऊंचे मूल्यांकन से कुछ चिंताएं पैदा हो रही हैं। भविष्य में आय वितरण शेयर रिटर्न के लिहाज से मुख्य वाहक होगा।

भारतीय शेयरों पर विदेशी निवेशकों का नजरिया कैसा रहेगा?

एफआईआई ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 21.3 अरब डॉलर की खरीदारी की, जबकि कैलेंडर वर्ष 2022 में उन्होंने 17 अरब डॉलर के शेयर बेचे। कैलेंडर वर्ष 2024 में, वे मई तक शुद्ध बिकवाल रहे, लेकिन जून में शुद्ध खरीदार बन गए। मार्च 2024 तक, एनएसई में सूचीबद्ध शेयरों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) स्वामित्व घटकर 18 प्रतिशत कम रह गया, जो पिछली 47 तिमाहियों में सबसे कम है।

घरेलू प्रवाह के बारे में आप क्या कहना चाहेंगे?

एफआईआई की स्थिति को देखते हुए, हमें अन्य उभरते बाजारों (ईएम) के मुकाबले भारत की स्थिति को भी देखना होगा। एमएससीआई इंडिया वर्तमान में एमएससीआई ईएम के मुकाबले 72 प्रतिशत वैल्यूएशन प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है, जिससे एफआईआई के लिए भारत की तुलना में अन्य ईएम ज्यादा आकर्षक बन गए हैं। भारतीय बचतकर्ताओं के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव आया है। वे अब अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के मुकाबले इक्विटी में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं।